भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1963

जिसका उत्तर 30.07.2026 को दिया जाना है

चौसा-वाराणसी चार लेन राजमार्ग

1963. श्री सुधाकर सिंह:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने बिहार के बक्सर जिले के चौसा से उत्तर प्रदेश के वाराणसी तक चार लेन राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए कोई प्रस्ताव तैयार किया है अथवा कोई सर्वेक्षण या व्यवहार्यता अध्ययन कराया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि चौसा-वाराणसी मार्ग धार्मिक, सांस्कृतिक, वाणिज्यिक तथा यातायात की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा वर्तमान संकरी सड़क के कारण बार-बार यातायात जाम, दुर्घटनाओं की स्थिति बन जाती है और समय भी बहुत लग जाता है;

(ग) क्या इस संबंध में कोई सर्वेक्षण किया गया है अथवा कोई प्रस्ताव बनाया गया है, यदि हाँ, तो उसकी वर्तमान स्थिति, अनुमानित लागत, भूमि अधिग्रहण में हुई प्रगति तथा निर्माण कार्य के प्रारंभ और पूर्ण होने की संभावित समय-सीमा सहित ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव उपलब्ध नहीं है, तो क्या सरकार बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच संपर्क, व्यापार तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चौसा-वाराणसी चार लेन राजमार्ग परियोजना को निकट भविष्य में प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति प्रदान करने पर विचार कर रही है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (घ) सरकार को देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण/विकास/कार्य के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर)/प्रस्ताव प्राप्त होता रहता है। परियोजना कार्यान्वयन और निवेश का निर्णय डीपीआर के परिणाम, कनेक्टिविटी की आवश्यकता, यातायात घनत्व, पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान आदि के साथ तालमेल आदि के आधार पर लिया जाता है। वाराणसी से चौसा तक के खंड के संबंध में, वाराणसी से गाजीपुर तक का खंड पहले ही 4 लेन का हो चुका है और गाजीपुर से चौसा (बक्सर) तक के शेष खंड के चौड़ीकरण के लिए डीपीआर यातायात घनत्व, परस्पर प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता आदि के आधार पर लिया जाएगा।

*****